भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत
लाह उत्पादन एवं प्रसंस्करण विषय पर प्रशिक्षण

दिनांक : 21 मार्च, 2023

भावाअशिप - वन उत्पादकता संस्थान, रांची की श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से., के मार्गदर्शन में वन विज्ञान केंद्र, झारखंड के अंतर्गत दिनांक 21.03.2023 को कृषि विज्ञान केंद्र बालूमाथ, लातेहार के सहयोग से चंदवा प्रखंड सभागार में "लाह उत्पादन एवं प्रसंस्करण" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रुप में कृषि विज्ञान केंद्र बालुमाथ, लातेहार की वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख {I/C} डॉ. सुनीता कांडेयांग उपस्थित रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में चंदवा प्रखंड के तोरार, माल्हन, चतरो, चेतर, तरहसी, हुटाप, हुचलु, मनातु, अमझरिया, सेरक, लाघुप, बोद आदि ग्राम आदि के दीदी, किसान एवं कृषि विज्ञान केंद्र, बालूमाथ से संबंध किसान सहित लगभग 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में अपना वक्तव्य रखते हुए कृषि विज्ञान केंद्र बालुमाथ, लातेहार की वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. सुनीता कांडेयांग ने लाह उत्पादन को कृषि के विकल्प के रुप में अपनाने की सलाह डी एवं प्रशिक्षण से प्रशिक्षणार्थियों को लाभ लेने का आग्रह किया।

श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी ने लाह पोषक वृक्ष, रंगीनी एवं कुसुमी लाह के दो फसल, कलम करना, बीजारोपण करना, फूंकी उतारना, दवाई छिड़काव करना, कच्चे एवं पके लाह की पहचान करना, नर कीट निर्गमन के संभावित तिथि एवं पहचान तथा लाह कटाई जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को विस्तार से समझाया। पलास, बैर, कुसुम जैसे वृक्षों के अभाव में फ्लेमेंजिया सेमियालता पर लाह उत्पादन के वैज्ञानिक विधियों के विषय में बताया एवं लाह खेती के लिए आय-व्यय का व्योरा देते हुए प्रति एकड़ उत्पादन से ग्रामीणों को अवगत कराया जो अन्य कृषि उत्पाद से कई गुणा लाभप्रद है तथा इसके लिए बंजर भूमि का भी उपयोग कर सकते है। साथ ही साथ महिलाओं के लिए भी अनुकूल रोजगार का एक अवसर है।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत

लाह उत्पादन एवं प्रसंस्करण विषय पर प्रशिक्षण

दिनांक : 21.03.2023

श्री करम सिंह मुण्डा, तकनीकी सहायक ने लाह प्रसंस्करण के विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताते हुए प्रत्येक उत्पाद यथा कच्ची लाह, चौरी लाह, बटन लाह, चपड़ा लाह, मोम लाह, लाह के डाय आदि के बनाने की विधि एवं उपयोग के विषय में जानकारी दी।

श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने लाह उत्पादन कर आत्मनिर्भर बनने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने का आग्रह किया।

श्री सुरज कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने लाह के बाजार, उत्पादन के क्षेत्र के विषय में चर्चा करते हुए इसकी कीमतों में उतार चढ़ाव के कारणों को बताया।

श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी द्वारा कार्यक्रम समापन की घोषणा से पूर्व श्री सुरज कुमार, व.त.स. द्वारा संस्थान की ओर से तथा श्री सुरेंद्र कुमार द्वारा जोहार/JSLPS संस्था की ओर से धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री करम सिंह मुण्डा, तकनीकी सहायक द्वारा किया गया।